Daily Current Affairs

Date : 08 June, 2026

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	'खारी का लाम्बा' में ग्राम विकास चौपाल
2.	पद्मश्री बैजनाथ महाराज का निधन
3.	बाँसवाड़ा की 'अपर हाई लेवल कैनाल परियोजना'
4.	वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना
5.	वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान राशि में वृद्धि
6.	भारत में पोटाश खनन की शुरुआत राजस्थान से
7.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. JDA की अभिनव पहल 'संवाद' 2. गायत्री देवी : विश्व योगासन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक 3. अन्वी राठौड़ : अखिल भारतीय सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब
8.	SAFF महिला चैंपियनशिप, 2026
9.	NZP साथी ऐप
10.	पुरुष अंडर 18 एशिया हॉकी कप, 2026
11.	फ्रेंच ओपन, 2026
12.	सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के अनंतिम अनुमान
13.	जन समर्थ पोर्टल
14.	भारत का 100वां रामसर स्थल
15.	विश्व पर्यावरण दिवस, 2026
16.	अभिलाषा जैव-ईंधन (Abhilasha Biofuels: ABF)
17.	E85 ईंधन
18.	क्लोरैम्फेनिकॉल एवं नाइट्रोफुरन

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

राजस्थान परिदृश्य

‘खारी का लाम्बा’ में ग्राम विकास चौपाल

चर्चा में क्यों?

- भीलवाड़ा जिले के खारी का लाम्बा ग्राम पंचायत में 5 जून, 2026 को मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 'ग्राम विकास चौपाल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- इस चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा ग्राम पंचायत में कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय की स्थापना, कृषि पर्यवेक्षक पद के सृजन तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त विज्ञान संकाय (जीव विज्ञान एवं कृषि विज्ञान) प्रारंभ करने की घोषणा की गई।
- राजस्थान में 'ग्राम विकास चौपाल' के तहत मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के विभिन्न गाँवों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया जा रहा है।
- इस जन-संपर्क अभियान का मुख्य उद्देश्य राज्य और केन्द्र सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री द्वारा अब तक 'ग्राम विकास चौपाल' कार्यक्रम के तहत 8 जिलों में भ्रमण किया जा चुका है।

क्रम	गाँव
1.	बम्बोरी गाँव (प्रतापगढ़)
2.	जाजोद गाँव (सीकर)
3.	कड़ैल गाँव (अजमेर)
4.	पंसेरी गाँव (जालौर)
5.	ठीकरिया गाँव (जयपुर)
6.	चुड़ादा गाँव (बाँसवाड़ा)
7.	धम्बोला गाँव (डूँगरपुर)
8.	खारी का लाम्बा (भीलवाड़ा)

पद्मश्री बैजनाथ महाराज का निधन

चर्चा में क्यों?

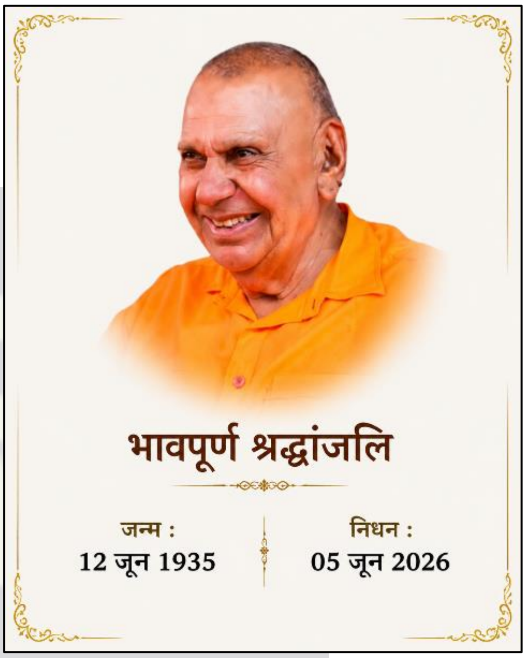

- हाल ही में, श्री श्रद्धानाथजी महाराज आश्रम, लक्ष्मणगढ़ (सीकर) के पीठाधीश्वर और पद्मश्री से अलंकृत बैजनाथ महाराज का निधन हो गया।

मुख्य बिन्दु:

- ज्ञातव्य हैं कि वर्ष 2025 में बैजनाथ महाराज को भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।
- **वर्ष 2025 में पद्मश्री से सम्मानित अन्य व्यक्तित्व** : बेगम बतूल (कला) – नागौर और शीन काफ निजाम (शिव किशन बिस्सा) (साहित्य) - जोधपुर।
- बैजनाथ महाराज का जन्म 12 जून, 1935 को लक्ष्मणगढ़ के पनलावा गाँव के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ।
- मात्र 4 वर्ष की आयु में वे अपने ही गाँव के संत श्री श्रद्धानाथजी महाराज के संपर्क में आए और वर्ष 1985 में उनके ब्रह्मलीन होने तक उन्हीं के सान्निध्य में साधनारत रहे।
- वर्ष 1985 में अपने गुरु श्री श्रद्धानाथजी महाराज की आज्ञानुसार उन्होंने विद्यालय सेवा को त्यागकर लक्ष्मणगढ़ स्थित श्रीनाथजी महाराज आश्रम में प्रवेश किया, जहाँ उन्हें नाथ पंथ की विधिपूर्वक दीक्षा दी गई तथा आश्रम के उत्तराधिकारी घोषित किए गए।
- उन्होंने श्रद्धा संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की, जहाँ विद्यार्थियों को वेदों का ज्ञान आधुनिक शिक्षा के साथ प्रदान किया जाता है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

बाँसवाड़ा की 'अपर हाई लेवल कैनाल परियोजना'

चर्चा में क्यों?

- जनजाति बहुल क्षेत्र बाँसवाड़ा में कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ता प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा 'अपर हाई लेवल कैनाल परियोजना' का विकास किया जा रहा है।

मुख्य बिन्दु:

- **कुल लागत :** ₹2500 करोड़।
- **लाभान्वित क्षेत्र :** बाँसवाड़ा जिले के 3 विधानसभा क्षेत्रों (बाँसवाड़ा, बागीदौरा एवं कुशलगढ़) की 6 तहसीलों के 338 गाँव (42000 हेक्टेयर भूमि)।
- **विस्तार :** 102 किमी मुख्य नहर की लम्बाई, 22.50 किमी सुरंगें।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- इस आधुनिक सिंचाई व्यवस्था के अंतर्गत प्रत्येक 1.25 से 1.50 हेक्टेयर क्षेत्र पर हाइड्रेंट विकसित किए जाएंगे। इन हाइड्रेंट पॉइंट्स तक भूमिगत पाइपलाइन नेटवर्क बिछेगा, जहाँ से किसान सीधे सिंचाई के लिए जल प्राप्त कर सकेंगे।
- इस प्रणाली से खेत स्तर तक समान जल वितरण, न्यूनतम जल हानि तथा अधिक दक्ष सिंचाई सुनिश्चित होगी। आधुनिक माइक्रो एवं प्रेशराइज्ड इरिगेशन प्रणाली के जरिए कम पानी में अधिक क्षेत्र की सिंचाई संभव हो सकेगी।

स्काडा प्रणाली:

- परियोजना में अत्याधुनिक स्काडा (Supervisory Control and Data Acquisition) प्रणाली भी विकसित की जा रही है। इससे सम्पूर्ण प्रेशर प्रणाली आधारित तंत्र का संचालन एवं मॉनिटरिंग पूर्णतः ऑटोमाइज्ड होगी।
- इस प्रणाली से जल वितरण को समान रूप से सुनिश्चित करने, दबाव एवं प्रवाह को स्वचालित रूप से नियंत्रित करने तथा रियल टाइम डेटा मॉनिटरिंग एवं संचालन नियंत्रण की सुविधा उपलब्ध होगी।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना

चर्चा में क्यों?

- सोमनाथ मंदिर पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत हाल ही में राजस्थान सरकार की 'वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना' के तहत राजस्थान से गए 1008 वरिष्ठ नागरिक श्रद्धालुओं ने श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए।

मुख्य बिन्दु:

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना:

- राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग द्वारा वर्ष 2013 से रेल यात्रा और वर्ष 2016 से हवाई यात्रा द्वारा राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा कराने की शुरुआत की गई।
- देवस्थान विभाग द्वारा यात्रा का आयोजन तथा निर्धारित यात्रा का व्यय किया जाता हैं।
- राजस्थान राज्य बजट - 2025-26 में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत 6,000 वरिष्ठ नागरिकों को हवाई मार्ग से तथा 50,000 वरिष्ठ नागरिकों को वातानुकूलित रेल से तीर्थ यात्रा करवाए जाने की घोषणा की गई थी।
- तीर्थयात्रियों का चयन जिला स्तरीय कमेटी द्वारा लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

पात्रता:

- राजस्थान का मूल निवासी हो।
- 60 वर्ष से अधिक आयु का हो। (1 अप्रैल, 2025 के आधार पर)
- आवेदक स्वयं एवं जीवनसाथी (पति या पत्नी) आयकरदाता न हो।
- पूर्व में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना का लाभ न उठाया हो।
- स्वयं एवं जीवन साथी केंद्र सरकार, राज्य सरकार, केंद्र और राज्य सरकार के उपक्रम, स्थानीय निकाय से सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी ना हो।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (सोमनाथ स्वाभिमान पर्व):

- सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम विदेशी आक्रमण (1026 ई.) के 1000 वर्ष और मंदिर के आधुनिक पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का आयोजन किया गया।
- **आयोजक :** कला एवं संस्कृति विभाग तथा देवस्थान विभाग (राजस्थान सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में।
- **आयोजन स्थल :** झारखंड महादेव मंदिर, जयपुर।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान राशि में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के पूर्णकालिक वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकारों के लिए सम्मान राशि को ₹15,000 से बढ़ाकर ₹18,000 प्रति माह करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्य बिन्दु:

- **संबंधित विभाग :** सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (DIPR), राजस्थान।

प्रावधान :

- ऐसे पूर्णकालिक अधिस्वीकृत पत्रकार, जिन्होंने दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार पत्र, स्वतंत्र पत्रकार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार एजेंसी में कम से कम 20 वर्षों तक सेवायोजन कार्य किया हो और जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है, वे प्रतिमाह ₹18,000 की सम्मान राशि के पात्र होंगे।
- साथ ही, वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना के तहत लाभार्थी दिवगंत पत्रकार की पत्नी को मिलने वाली सम्मान निधि की राशि ₹7,500 से बढ़कर ₹9,000 हो गई है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना (RJHS):

- सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा 04 अप्रैल, 2025 को 'राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना (RJHS)' की अधिसूचना जारी की गई।
- **योजना का शुभारंभ :** मुख्यमंत्री द्वारा भीलवाड़ा में 28 मार्च, 2025 को राज्य स्तरीय विकास एवं सुशासन उत्सव के दौरान किया गया था।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- योजना के तहत, राज्य सरकार से अधिस्वीकृत समस्त पत्रकार RJHS के लिए पात्र होंगे। इस योजना की अधिसूचना जारी होने के बाद अधिस्वीकृत पत्रकारों को RGHS की तर्ज पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेंगी।

पत्रकारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना :

- 18 अप्रैल, 2025 को सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान द्वारा 'अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति योजना' की अधिसूचना जारी की गई।
- यह योजना राज्य बजट 2024-25 की घोषणा के अनुरूप है, जो राज्य के सभी अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों के लिए राष्ट्रीय स्तर के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययन हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए लॉन्च की गई है।

UTKARSH CIVIL SERVICES

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

भारत में पोटाश खनन की शुरुआत राजस्थान से

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केन्द्रीय खान मंत्रालय द्वारा दो पोटाश एवं हैलाइट ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया पूर्ण की गई।

मुख्य बिन्दु:

- देश में पोटाश खनन की शुरुआत पहली बार राजस्थान से की जा रही है।
- **2 ब्लॉक्स:**
  - **जोड़किया-सतीपुरा-खुंजा एकीकृत पोटाश एवं हैलाइट ब्लॉक (हनुमानगढ़) :** ऑयल इंडिया लिमिटेड (OIL) को आवंटित।
  - **झंडावाली-सतीपुरा पोटाश एवं हैलाइट ब्लॉक (हनुमानगढ़) :** हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड को आवंटित।
- देश के भूगर्भ में मौजूद कुल पोटाश भंडार का 95 प्रतिशत से अधिक हिस्सा राजस्थान में स्थित है।
- राजस्थान के बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, चूरू और नागौर जिलों में उप-सतही हैलाइट युक्त वाष्पीकरणीय शैलखंड लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हुए हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- पोटाश एक महत्त्वपूर्ण खनिज है जिसमें मुख्य रूप से पोटेशियम पाया जाता है। इसका मुख्य रूप से उपयोग खेती में खाद के रूप में होता है।
- **म्यूरिएट ऑफ पोटाश (MOP) :** इसे पोटेशियम क्लोराइड (KCl) कहते हैं, जो खाद के रूप में प्रयुक्त होता है।
- **सल्फेट ऑफ पोटाश (SOP) :** इसे पोटेशियम सल्फेट (K_2SO_4) कहते हैं, जो फल और तंबाकू जैसी फसलों के लिए उपयुक्त है।

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**JDA की अभिनव पहल 'संवाद'** ■ जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) की अभिनव पहल 'संवाद' जनभागीदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया एक अनूठा जन-समस्या निवारण और परियोजना स्वीकृति कार्यक्रम है। ■ 'संवाद' कार्यक्रम के तहत आवेदकों को बुलाकर उनकी आपत्तियों, समस्याओं और सुझावों को आमने-सामने सुनकर हाथों-हाथ निस्तारण किया जाता है।
2.	**गायत्री देवी : विश्व योगासन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक** ■ सीकर के मांडोता गाँव की निवासी हैड कांस्टेबल गायत्री देवी ने पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। ■ उन्होंने सीनियर-सी महिला बैक बेंडिंग इंडिविजुअल वर्ग में यह खिताब अपने नाम किया। ■ **आयोजन :** प्रथम 'विश्व योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप' 4 से 8 जून, 2026 तक अहमदाबाद में आयोजित की गई।
3.	**अन्वी राठौड़ : अखिल भारतीय सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब** ■ जयपुर की अन्वी राठौड़ ने हैदराबाद में आयोजित अखिल भारतीय सब-जूनियर रैंकिंग (अंडर-15) बैडमिंटन टूर्नामेंट में गर्ल्स सिंगल्स का खिताब जीता। ■ अन्वी ने टूर्नामेंट के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त तेलंगाना की हमशिनी चंदाराम को हराया।

राष्ट्रीय परिदृश्य

SAFF महिला चैंपियनशिप, 2026

(स्रोत: AIR)

चर्चा में क्यों?

- भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने सैफ चैंपियनशिप, 2026 के फाइनल में मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता।

मुख्य बिन्दु:

- **फाइनल मैच:** 6 जून, 2026 को गोवा के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भारत और बांग्लादेश के मध्य आयोजित किया गया।
- इससे पूर्व महिला फुटबॉल टीम ने वर्ष 2019 में यह खिताब जीता था।

- **भारतीय महिला टीम:** पंथोई चानू एलंगबाम, निर्मला देवी फंजौबाम, शिल्की देवी हेमम, जूली किशन, संगीता बासफोर, सनफिदा नोंग्रम, अस्तम ओरांव, प्यारी ज़ाक्सा, मनीषा कल्याण, जसोदा मुंडा और अवेका सिंह।
- **मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी):** सनफिदा नोंग्रम
- **शीर्ष स्कोरर (सार्वधिक गोल):** अवेका सिंह (4 गोल)
- **सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर:** पांथोई चानू एलंगबम
- **फेयर प्ले अवार्ड:** नेपाल

UTKARSH CIVIL SERVICES

NZP साथी ऐप

(स्रोत: PIB)

मुख्य बिन्दु:

- **उद्घाटन:** केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री ने नेशनल जूलॉजिकल पार्क (NZP), नई दिल्ली में स्मार्ट डिजिटल ज़ू गाइड "NZP साथी ऐप" लॉन्च किया और सेल्फ-टिकटिंग कियोस्क का उद्घाटन किया।
- **विशेषता:** यह ऐप एक्सप्रेस टूर, फैमिली टूर, ग्रैंड ज़ू टूर और पर्सनलाइज़्ड "माई टूर" विकल्पों सहित थीम-आधारित पर्यटन की सुविधा भी प्रदान करता है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

पुरुष अंडर 18 एशिया हॉकी कप, 2026

(स्रोत: AIR और IHF)

चर्चा में क्यों?

- भारतीय पुरुष अंडर-18 हॉकी टीम ने फाइनल में मेज़बान जापान को 4-1 से हराकर पुरुष अंडर-18 एशिया कप, 2026 का खिताब हासिल किया, जबकि भारतीय महिला टीम ने कांस्य पदक जीता।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन: यह टूर्नामेंट 29 मई से 6 जून, 2026 तक काकामीगाहारा, जापान में आयोजित किया गया।**

	पुरुष	महिला
सेमी-फाइनल	भारत (विजेता) और पाकिस्तान	भारत और चीन (विजेता)
फाइनल	भारत भारत (विजेता) और जापान	जापान और चीन (विजेता)

पदक	पुरुष	महिला
स्वर्ण	भारत	चीन
रजत	जापान	जापान
कांस्य	पाकिस्तान	भारत

- **भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान: केतन कुशवाहा**
- **कांस्य पदक के मुकाबले में भारत ने कोरिया को 3-0 से हराकर प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया।**

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

फ्रेंच ओपन, 2026

(स्रोत: AIR, दैनिक भास्कर, ROLAND-GARROS)

चर्चा में क्यों?

- फ्रेंच ओपन, 2026 का आयोजन 17 मई से 7 जून, 2026 तक पेरिस, फ्रांस में 'रोलां गैरो' (Roland Garros) परिसर में किया गया, जो क्ले कोर्ट पर खेला जाने वाला वर्ष का दूसरा ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है, जिसे 'रोलैंड गैरोस' भी कहा जाता है।

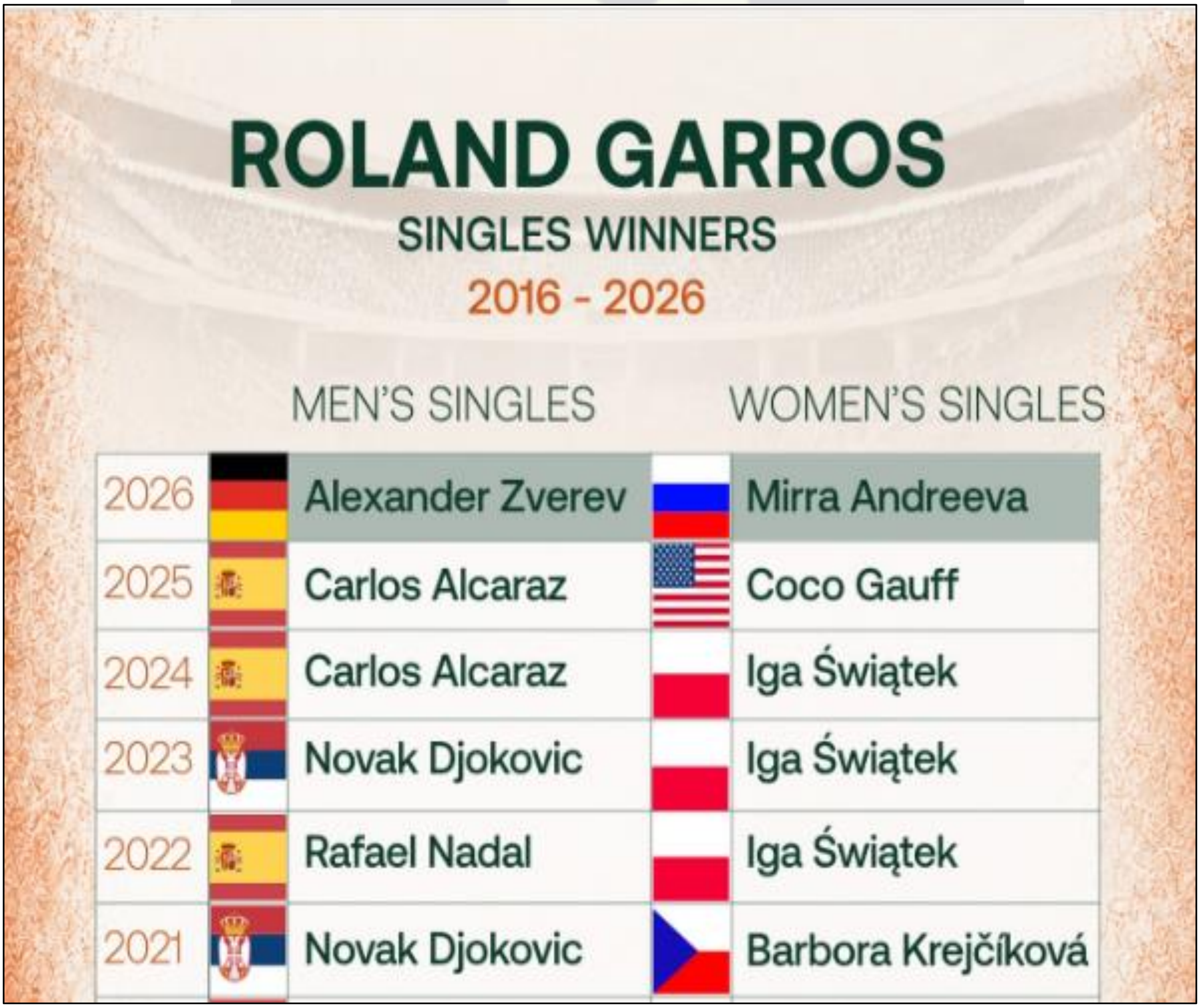

ROLAND GARROS
SINGLES WINNERS
2016 - 2026

	MEN'S SINGLES	WOMEN'S SINGLES
2026	Alexander Zverev	Mirra Andreeva
2025	Carlos Alcaraz	Coco Gauff
2024	Carlos Alcaraz	Iga Świątek
2023	Novak Djokovic	Iga Świątek
2022	Rafael Nadal	Iga Świątek
2021	Novak Djokovic	Barbora Krejčíková

मुख्य बिन्दु:

- **वर्ष 2026 के विजेता:**

पुरुष एकल	अलेक्जेंडर ज़्वेरेव (जर्मनी) ने फ्लेवियो कोबोली को हराया।
महिला एकल	M एंड्रीवा (रूस) ने माजा च्वालिंस्का को हराया।
पुरुष युगल	मार्सेल ग्रैनोलर्स और होरासियो जेबालोस ने हैरी हेलिओवारा और हेनरी पैटन को हराया।
महिला युगल	केटिना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड ने एलेक्जेंड्रा क्रुनिक और अन्ना डेनिलिना को हराया।
मिश्रित युगल	सारा एर्रानी और एंड्रिया वावस्सोरि ने इवान किंग और गैब्रिएला डाब्रोव्स्की को हराया।

अलेक्जेंडर ज़्वेरेव (जर्मनी):

- ज़्वेरेव, इससे पहले वर्ष 2020 में US ओपन, वर्ष 2024 में फ्रेंच ओपन और वर्ष 2025 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में उपविजेता रहे थे।
- 29 वर्षीय ज़्वेरेव वर्ष 1937 में हेनर हेनकेल के बाद फ्रेंच ओपन जीतने वाले पहले जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं।
- ज़्वेरेव, वर्ष 1996 में बोरिस बेकर की ऑस्ट्रेलियन ओपन की जीत के बाद ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले पहले जर्मन पुरुष खिलाड़ी भी बन गए हैं।

M एंड्रीवा (रूस):

- 19 वर्ष की मीरा एंड्रीवा ने पहली बार फ्रेंच ओपन जीता।
- एंड्रीवा, फ्रेंच ओपन जीतने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। उनसे पहले वर्ष 1992 में 18 वर्ष की मोनिका सेलेस ने यह टाइटल अपने नाम किया था।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

आर्थिक घटनाक्रम

सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के अनंतिम अनुमान

(स्रोत: AIR)

चर्चा में क्यों?

- **वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.7% रहने का अनुमान है।**

मुख्य बिन्दु:

- **सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के अनंतिम अनुमान जारी किए हैं, जिसमें दिखाया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था में 7.7% की वृद्धि हुई है, जो पहले के 7.6% के अनुमान से अधिक है और वित्त वर्ष 2024-25 में दर्ज की गई 7.1% वृद्धि से काफी अधिक है।**

मुख्य विशेषताएँ

- **विनिर्माण क्षेत्र:** विनिर्माण क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2025-26 में 10.7% की मजबूत वृद्धि दर्ज की।
- **सेवा क्षेत्र:** व्यापार, मरम्मत, होटल, परिवहन, संचार, प्रसारण और भंडारण सहित इस क्षेत्र में वित्त वर्ष 2025-26 में 11% की वृद्धि हुई।
- **उपभोग-आधारित वृद्धि:** घरेलू खर्च का एक प्रमुख मापक, निजी अंतिम उपभोग व्यय में 7.7% की वृद्धि हुई।
- **निवेश गतिविधि में वृद्धि:** निवेश, परिसंपत्ति सृजन का एक सूचक, सकल स्थिर पूँजी निर्माण (GFCF) में 8.2% की वृद्धि हुई।

विकास को समर्थन देने वाले कारक

- **संरचनात्मक सुधार:** आर्थिक सुधारों के निरंतर कार्यान्वयन से उत्पादकता और व्यावसायिक दक्षता में सुधार हुआ।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

- **मजबूत घरेलू माँग:** उपभोग व्यय में वृद्धि ने वस्तुओं और सेवाओं की माँग को बढ़ावा दिया। विकास मुख्य रूप से बाहरी मांग के बजाय घरेलू आर्थिक बुनियादी कारकों से प्रेरित रहा।
- **पूँजीगत व्यय में प्रोत्साहन:** सरकार द्वारा किए गए बुनियादी ढाँचे पर खर्च से निवेश की गति मजबूत हुई। पूंजीगत व्यय ने विनिर्माण, निर्माण और सेवा क्षेत्रों में गुणक प्रभाव उत्पन्न किया।

सकल घरेलू उत्पाद (GDP)

- जीडीपी किसी देश की घरेलू सीमा के भीतर एक विशिष्ट अवधि (आमतौर पर एक तिमाही या एक वर्ष) के दौरान उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल मौद्रिक मूल्य है।
- **जारीकर्ता:** राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय।
- **आधार वर्ष:** 2022-23
- **जीडीपी की गणना:** जीडीपी की गणना मुख्य रूप से तीन विधियों से की जाती है;
- **व्यय दृष्टिकोण:** यह विधि अर्थव्यवस्था में अंतिम वस्तुओं और सेवाओं पर किए गए सभी व्ययों का योग करती है।
- **आय दृष्टिकोण:** यह विधि उत्पादन के कारकों (श्रम, पूँजी) द्वारा अर्जित सभी आयों को जोड़ती है।
- **उत्पादन/मूल्यवर्धन दृष्टिकोण:** यह विधि उत्पादन के प्रत्येक चरण में प्रत्येक उद्योग द्वारा जोड़े गए मूल्य को जोड़ती है।

योजनाएँ एवं नीतियाँ

जन समर्थ पोर्टल

(स्रोत: PIB)

चर्चा में क्यों?

- जन समर्थ पोर्टल ने डिजिटल वित्तीय समावेशन और निर्बाध ऋण वितरण को बढ़ावा देने के चार साल पूरे कर लिए हैं।

मुख्य बिन्दु:

- 2022 में शुरू किया गया जन समर्थ, 16 क्रेडिट-लिंक्ड सरकारी योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए एक सिंगल-विंडो डिजिटल प्लेटफॉर्म है ।
- यह कृषि, व्यवसाय, आवास, नवीकरणीय ऊर्जा और आजीविका जैसे क्षेत्रों में संस्थागत ऋण तक पहुँच को सुगम बनाता है।
- 8 भाषाओं में उपलब्ध इस पोर्टल पर बैंकों, गैर-सरकारी वित्तीय संस्थानों और सहकारी बैंकों सहित 269 ऋण देने वाली संस्थाएं जुड़ चुकी हैं।
- यह UIDAI, UDYAM, AgriStack, GST और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड जैसे डेटाबेस के माध्यम से वास्तविक समय सत्यापन के साथ संपूर्ण डिजिटल ऋण प्रसंस्करण को सक्षम बनाता है ।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

भारत का 100वां रामसर स्थल

(स्रोत: PIB)

चर्चा में क्यों?

- जय प्रकाश नारायण पक्षी अभयारण्य (सुरहा ताल) भारत का 100वां रामसर स्थल बना।

मुख्य बिन्दु:

जय प्रकाश नारायण पक्षी अभयारण्य (सुरहा ताल)

- यह एक प्राकृतिक और सदाबहार 'गोखुर झील' है। एक विसर्प नदी बाढ़ वाले क्षेत्र में कटकर U आकार की ऐसी झील का निर्माण करती है।
- **अवस्थिति:** बलिया जिला, उत्तर प्रदेश।
- **इतिहास:** 1991 में 45 गाँवों की ज़मीनों को मिलाकर इसे 'सुरहा ताल' बनाया गया था। 2002 में महान कार्यकर्ता और राजनेता जयप्रकाश नारायण के सम्मान में इस झील को उनका नाम दिया गया।

- **क्षेत्रफल:** लगभग 3,432 हेक्टेयर, जो मानसून मौसम के दौरान बढ़कर 25,000 हेक्टेयर तक हो जाता है।

महत्त्व:

- **उच्च पक्षी विविधता:** यह मध्य एशियाई फ्लाई-वे (प्रवासी पक्षियों का मार्ग) से आने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए सर्दियों में विराम का एक महत्त्वपूर्ण स्थल है।
- यहां पाई जाने वाली महत्त्वपूर्ण मछलियों में संकटापन्न (वल्नरेबल) 'वल्लागो अट्टू' और 'बगेरियस बगेरियस' शामिल हैं।

रामसर अभिसमय

- यह एक अंतरराष्ट्रीय संधि है। यह संधि आर्द्रभूमियों और उनके संसाधनों के संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है।
- इसे 1971 में ईरान के 'रामसर' शहर में अपनाया गया था और यह संधि 1975 में लागू हुई। भारत ने 1982 में इस संधि पर हस्ताक्षर किए थे।
- **इसके निम्नलिखित तीन मुख्य स्तंभ हैं:**
    - अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों का संरक्षण करना।
    - सभी आर्द्रभूमियों का विवेकपूर्ण उपयोग करना।
    - साझा आर्द्रभूमियों और प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।
- **मानदंड:** किसी भी आर्द्रभूमि को रामसर स्थल का दर्जा प्राप्त करने के लिए कन्वेंशन द्वारा तय किए गए नौ मापदंडों में से कम से कम एक को पूरा करना अनिवार्य है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

विश्व पर्यावरण दिवस, 2026

(स्रोत: PIB)

चर्चा में क्यों?

- प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस (WED) मनाया जाता हैं।

मुख्य बिन्दु:

- भारत ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जेनेवा में WTO व्यापार और पर्यावरण सप्ताह, 2026 के दौरान एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जिसका शीर्षक 'भारत की कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना का शो-केस और नवीकरणीय ऊर्जा में मानकीकरण' था।
- **पृष्ठभूमि:** WED की शुरुआत वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम सम्मेलन (वर्ष 1972) के उद्घाटन के उपलक्ष्य में की गई।
- **प्रथम आयोजन:** वर्ष1973 में "केवल एक पृथ्वी" विषय के साथ मनाया गया था।
- आयोजक: संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) (मुख्यालय: नैरोबी, केन्या)।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026:

- **मेजबान देश:** UNEP के नेतृत्व में, वर्ष 2026 की मेजबानी अजरबैजान गणराज्य (राजधानी: बाकू) द्वारा की जा रही हैं।
- **वर्ष 2026 की विषयवस्तु:** "प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।"
- **WTO व्यापार और पर्यावरण सप्ताह, 2026:** कार्यक्रम में न्यून कार्बन अर्थव्यवस्था में भारत के रूपांतरण के उद्देश्य से बनाई गई महत्त्वपूर्ण नीतियों और नियामक पहलकदमियों को प्रदर्शित किया गया।
- **बिजली उत्पादन क्षमता:** मार्च, 2026 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता का हिस्सा 53.21 प्रतिशत तक पहुँच गया, जबकि वर्ष 2030 तक का लक्ष्य 50 प्रतिशत था; इस तरह भारत ने यह लक्ष्य लगभग पाँच साल पहले ही हासिल कर लिया।
- **GDP की उत्सर्जन तीव्रता:** भारत की GDP की उत्सर्जन तीव्रता वर्ष 2005 और वर्ष 2022 के बीच 37.38 प्रतिशत घट गई, जो निर्धारित समय-सीमा से काफी पहले वर्ष 2030 तक 33-35 प्रतिशत की कमी के NDC लक्ष्य से कहीं बेहतर है।
- **कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना (CCTS):** इसके तहत् विकसित भारतीय कार्बन बाजार के लिए भारत के राष्ट्रीय ढाँचे का उद्देश्य एक राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म स्थापित करना है। साथ ही, इसका लक्ष्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने वाली गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए बाजार-आधारित उपकरणों का उपयोग करना है।

विज्ञान प्रौद्योगिकी

अभिलाषा जैव-ईंधन (Abhilasha Biofuels: ABF)

(स्रोत: PIB)

चर्चा में क्यों?

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने अभिलाषा जैव-ईंधन के उत्पादन के लिए एक वाणिज्यिक स्तर की सुविधा स्थापित करने की परियोजना को सहायता दी है।

मुख्य बिन्दु:

अभिलाषा जैव-ईंधन:

- यह द्वितीय पीढ़ी (2G) का जैव ईंधन है, जो डीजल के समान ईंधन तथा नेफ्था के नवीकरणीय विकल्प के रूप में उपयोग किया जा सकता है।
- 2G जैव ईंधन वे जैव ईंधन हैं जो गैर-खाद्य बायोमास से उत्पन्न होते हैं, जैसे कि कृषि अवशेष, वानिकी अपशिष्ट, फसल की पराली, गन्ने की खोई, चावल के पुआल और अन्य लिग्नोसेल्युलोसिक पदार्थ।
- साथ ही, यह 'ड्रॉप-इन' ईंधन है जो वर्तमान इंजनों, ईंधन प्रणालियों या ईंधन वितरण अवसंरचना में किसी भी बदलाव की आवश्यकता के बिना सीधे पारंपरिक डीजल को प्रतिस्थापित कर सकता है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

E85 ईंधन

(स्रोत: PIB)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने E85 ईंधन का अनावरण किया।

मुख्य बिन्दु:

E85 ईंधन:

- E85 ईंधन मिश्रण है जिसमें 80-85% इथेनॉल और 15-20% पेट्रोल होता है।
- इसे विशेष रूप से फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों (FFVs) के लिए विकसित किया गया है।
- फ्लेक्स-फ्यूल वाहन (FFVs) ऐसे वाहन होते हैं, जिनके इंजन इथेनॉल और पेट्रोल के विभिन्न मिश्रणों पर चल सकते हैं। ये E20 (20% इथेनॉल + 80% पेट्रोल) से लेकर E100 (100% इथेनॉल) तक के ईंधन मिश्रण का उपयोग कर सकते हैं।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213

क्लोरैम्फेनिकॉल एवं नाइट्रोफुरन

(स्रोत: ECONOMIC TIMES)

चर्चा में क्यों?

- भारत के झींगा निर्यात को अमेरिका, यूरोपीय संघ और जापान के बाजारों में अस्वीकृति का सामना करना पड़ा, क्योंकि उनमें क्लोरैमफेनिकॉल और नाइट्रोफुरन के अवशेष पाए गए।

मुख्य बिन्दु:

- ये दोनों ही दवाएँ सभी खाद्य-उत्पादक पशुपालन प्रणालियों में प्रतिबंधित हैं।

क्लोरैम्फेनिकॉल:

- यह जीवाणु संक्रमण के उपचार में प्रयुक्त होने वाला एक एंटीबायोटिक है।
- **खतरे:** इसकी आंशिक मात्रा भी मनुष्यों में एप्लास्टिक एनीमिया रोग का कारण बन सकता है।

नाइट्रोफुरन:

- यह जीवाणुरोधी और सूजन-रोधी उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाने वाला एंटीबायोटिक है।
- **खतरे:** इन दवाओं पर प्रतिबंध इसलिए लगाया गया है क्योंकि इनके चयापचय पशुओं के ऊतकों में लंबे समय तक बने रह सकते हैं और इनमें कैंसर होने का खतरा भी रहता है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 9829 213 213